MR. SPEAKER: Why do you say like this? You are a very senior Member of this House. You know, I have not rejected it. Then why don't you cooperate and let this House run?

SHRI K. LAKKAPPA: Sir, I am seeking your protection.

MR. SPEAKER: You are not seeking my protection. Mr. Lakkappa, you could have talked to me and I could have explained to you.

12.24 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

LAW AND ORDER SITUATION IN DELHI

श्री कृष्ण प्रताप सिंह (महाराजगंज) . मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्न लिखित विषय की ओर गृह मंत्री जी का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

'दिल्ली में कानून और व्यवस्था की बिगड़ती हुई स्थिति और इस संदर्भ में 9 जुलाई, 1980 को खारी बावली, दिल्ली मे दिन दहाड़े हुई डकैती की घटना तथा इस स्थिति को सुधारने के लिए सरकार द्वारा की गई कार्यवाही।'

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA): Sir, although there has been noticeable decline in crimes in recent months, it is regrettable that incidents of this type do occur sometimes.

In the incident of dacoity at Khari Baoli, a gang of 6 men armed with knives and country made pistols entered the premises on the first floor, located in Katra Ishwari Bhavan at 12.40 hours. They blind-folded the eight persons present in the premises and tied their hands and feet. They looted property worth approximately Rs. 10000/- including cash of Rs. 6000/-7000/-. No violence took place. Only a minor bruise was suffered by one of the victims. The dacoits left the premises at about 14.05 hours. The incident was reported to the police at 14.25 hours and the police reached the site at 14.40 hours. A case under section 395/398 IPC has been registered at P. S. Lahori Gate Investigation of the case is in progress and all efforts are being made to apprehend the culprits.

After the new government came into power, a number of steps have been taken for improving the law and order situation in the Capital, including creation of new Police Stations, augmenting the staff of the existing police stations, replacemient of old vehicles, modernisation of the Control Room and improvement of the communication system, etc.

The Delhi Police has intensified foot and mobile patrolling with walkie-talkie sets and wireless fitted motor cycles. The Home Guards have also been inducted for night and early morning hour patrolling. Continuous drives by the Special Squad of the districts to detect criminals and other bad characters have been undertaken.

The law and order situation is under constant review at the levels of the Police Commissioner and the Lt. Governor. Home Minister himself has held reviews with officials.

श्री कृष्ण प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, जनता पार्टी के अलोकप्रिय होने का प्रमुख कारण यह था कि उसके शासनकाल में इस देश में विधि व्यवसाय का नामोनिशान नहीं रह गया था । चारों ओर भय का वातावरण बना हुआ था । यही कारण था कि जनता पार्टी के स्थान पर देश के लोगो ने सबल हाथो मे इस देश की सत्ता सौपी और श्रीमती इंदिरा गाधी को सत्ता पर बिठाया—(इंटरप्शंज) मै स्वय कह रहा हू कि आज हमारे दल के ऊपर यह दायित्व आया है और हम कहा तक इस प्रकार कीय अपराध की घटनाओ और इस विधि और व्यवस्था को समस्या से निपटते है यह देखना है, कहा तक हम इन पर नियत्रण करते है, यह देखना है । जब केन्द्र मे हमारी सरकार बनी थी तब निश्चित रूप से इस तरह की घटनाओ पर नियत्रण सा लगा दिखाई पडता था । इधर कुछ दिनो मे इस तरह की घटनाओ की पुनरावृत्ति हो रही है । राजधानी मे इस तरह की घटनाए सरे आम, दिन मे 12 बजे बाजार मे हुई, जहा- हजारो लोग है, वहा एक व्यवसायी के घर में घुसकर एक महिला के दुपट्टे को फाडकर, 4, 5 आदमिया के हाथ-पैर बाधकर, लगभग 2 घंटे रहकर उसकी सारी सम्पत्ति, यहा स्टेटमेट में बताया गया है कि मात्र 10 हजार रुपये की सम्पत्ति, लेकिन जहा तक मुझे जानकारी मिली है, वहा 50 हजार से ज्यादा की सम्पत्ति लूटी गई है । राजधानी मे जो घटनाए इस तरह की होती हैं, उससे पूरे देश के लोगो की चिन्ता बढ जाती है । इसीलिए मैने सरकार का ध्यान आकर्षित किया है कि सरकार कौनसी ऐसी सख्त कार्यवाही करने जा रही है, जिससे इस तरह के अपराध-कर्मों की रोकथाम हो सके ?

मैं जानना चाहता हू कि क्या मत्री महोदय इस पर कोई विचार कर रहे है कि जो इस देश में इडियन पीनल कोड है, आई० पी० सी० है, इसको और कठोर बनाया जाये ? आज आई० पी० सी० के अनसार अगर 7 दिनों मे आरोप-पत्र दाखिल नही किया जाता है, तो उससे स्वत अपराधियों की जमानत मजूर हो जाती है । सभी के ऊपर आरोप-पत्र दाखिल नही हो पाता है और अपराध-कर्मी 7 दिन के बाद फिर बाहर निकल जाते हैं । उनको इस तरह के अपराध करने की फिर स्वतंत्रता मिल जाती है । मैं जानना चाहता हू कि क्या मत्री महोदय आई० पी० सी० को और कठोर बनाने पर विचार कर रहे हैं ?

मै यह भी जानना चाहूगा कि पिछले 6 महीने से जब से हमारी सरकार बनी है, दिल्ली की राजधानी मे अपराधो की संख्या क्या रही है, उसमें कितनी कमी आई है ? इसका विस्तृत ब्यौरा हम चाहेंगे ताकि देश के लोगो को आगाह किया जा सके कि हमारी सरकार बनने के बाद हम इतना अपराधों पर नियंत्रण कर सके है और क्या करने जा रहे हैं ?

SHRI YOGENDRA MAKWANA: The hon. Member has put three specific questions: (1) regarding the preventive measures that this Government has taken, (2) regarding the improvement in the crime situation during the last six months after the takeover by the new Government, and (3) the steps that we are going to take.

There are many steps we have taken. In my statement also I have said that many things have been done. The other steps which have been taken are:

(i) Intensive foot and mobile patrolling including armed, with walkie-talkie sets and wireless fitted motorcycle patrols has been introduced. Ten companies of additional force from DAP/CRPF have been provided to the Districts for night patrolling and the Government of India has provided an additional CRPF battalion for the purpose. The patrolling is being personally checked and supervised by senior officers.

(ii) Induction of about 2000 Home Gurards for night and early morning hours patrolling along with local police, special attention being paid to parks and vulnerable residential localities.

(iii) Action under the normal preventive sections of the Cr. P.C. against bad characters and criminals.

(iv) Checking by surprise of vehicles to detect those involved in the commission of crime.

(v) Organisation of Thikri Pehra and patrolling by local residents and private chowkidars and co-ordination with police patrols and pickets.

[Shri Yogendra Makwana]

(vi) Stepping up of externment proceedings. One hundred and seventy-seven criminals and bad characters have been externed out of Delhi from 1-1-80 to 31-5-80.

(vii) Setting up of temporary Police Posts pending regular sanction in some vulnerable localities.

(viii) Detailing of armed pickets at vulnerable points as preventive measures.

(ix) Continuous drives by the special squads of the districts to detect the dacoits, auto-lifters, robbers, snatchers, pick-pockets, eve-teasers and other bad characters by developing intelligence.

(x) Meeting with residents of the localities by DCPs/ACPs to explain the measures taken and obtain their suggestions.

(xi) Meetings with the representatives of women's colleges to curb the crime of eve-teasing.

These are the preventive steps that we have taken. The hon. member has made a suggestion regarding the Cr. P. C. I have noted down the suggestion.

So far as the improvement in the crime situation is concerned, I would like to inform the House that during the last six months, the position has improved and it is improving. I would like to give the comparative figures :

	1-1-1980 to 30-6-1980	11-1-80 to 30-6-1980
Dacoity	20	44
Murder	103	81
Attempt to Murder	146	165
Robbery	169	317

SHRI BHAGWAT JHA AZAD (Bhagalpur) : These are the registered ones. What about the unregistered crimes ?

SHRI YOGENDRA MAKWANA : I am giving the comparative figures.

	1-1-1980 to 30-6-1980	1-1-1979 to 30-6-1979
Riots	93	155
Snatching	85	163
Hurts	970	1630
Burglary	1328	1510
Thefts	9888	10693
Motor Vehicle thefts	1366	1662
Others	5098	5541
Total IPC Crimes	19965	21363

SHRI BHAGWAT JHA AZAD: The vehicle of the DIG (Traffic) himself was stolen.

श्री रोतलाल प्रसाद वर्मा (कोडरमा) : अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने अपराध रोकने के बहुत लम्बे-चौड़े उपाय बताये हैं । हत्या, डकैती, चोरी, बर्गलरी आदि अपराधों की संख्या कोई बीस हजार के लगभग बताई गई है, जबकि प्रिसीडिंग यीअर में यह संख्या 17,851 थी ।

श्री योगेन्द्र मकवाना : माननीय सदस्य ने गलत सुना है । पहले अपराध 21,363 हुए थे जबकि इस साल 19,965 हुए हैं ।

श्री रोतलाल प्रसाद वर्मा : 11 जून, 1980 को आपने जो उत्तर दिया था, उसमें 17,851 बताए थे । दिल्ली में अपराध में जो वृद्धि हुई है, उससे दिल्ली के निवासियों में बहुत आतंक फैला हुआ है, जिसकी वजह से वे रात को सो भी नहीं पाते हैं । खारी बावली में डकैती की घटना दिन-दहाड़े हुई है । जनवरी में बीस-पच्चीस ऐसी घटनायें रिकार्ड में आई हैं । लारेंस रोड, लाजपत नगर और मोदी नगर आदि स्थानों में दिन दहाड़े डकैतियां हुई हैं, महिलाओं के साथ मारपीट और बलात्कार के केस हुए हैं । ऐसी घटनाओं पर अभी तक काबू नहीं पाया गया है और वे दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं ।

खारी बावली में इतनी भीड़ रहती है कि वहां दो आदमी साथ-साथ नहीं चल सकते हैं । अगर ऐसी परिस्थिति में भी वहां ईश्वरी भवन में डकैती होती है, तो यह एक विचारणीय बात है । यह डकैती वहीं पर हुई है, जहां लाहोरी गेट में एस. एच. ओ. अमरजीत सिंह और डी०एम०एस० गुरचरण सिंह हैं, जो आपके सुन्दर सिंह डाक हत्याकांड में एक्यूजड भी रह चुके हैं ।

**** **** **** ****

कोई दिन ऐसा नहीं है कि जब कि चांदनी चौक में डकैती न होती हो या लूट न होती हो या पाकेटमार न होती हो । एक महीना पहले वहां के पंजाब नेशनल बैंक में जंजीर काट कर और भीतर घुस कर डकैती की, उसका आज तक कोई पता नहीं लगा । इसी तरह से बाबा गुरचरण सिंह की हत्या की गई, उनका हत्यारा भी अभी तक नहीं पकड़ा गया है । गौतम जय सिंहानिया जो सैन्ट लारेन्स कालिज का विद्यार्थी था, उसके मामले में पुलिस आई, उस ने वादा किया था कि 24 घंटे के अन्दर अपराधी को पकड़ कर ला देंगे लेकिन आज तक वह नहीं पकड़ा गया । कल ही कीर्ति नगर में एक भयंकर घटना घटी है, डकैती हुई है, उस की फोटो यह छपी हुई है । उस का नाम है श्रीमती बलजीत कोर जो मिनिस्ट्री आफ होम अफेयर्स में काम करती है, उन को मारा, उन की सोने की अंगूठी, चैन और कई जेवरात डाक लूट कर ले गए । उसके बगल में फर्नीचर मंडी में भी डकैती करने का प्रयास किया । भारतीय जनता पार्टी के जनरल सैक्रेटरी श्री मदन लाल खुराना ने पुलिस को खबर दी तो डी०एस०पी० मिस्टर सिंह उस का खंडन करते हैं, कि नहीं ऐसी बात नहीं है, साधारण ट्रेस पास की घटना है और आपस का झगड़ा है जब कि इनको इतनी मार पड़ी कि वह अस्पताल में पड़ी रही । हिन्दुस्तान के सम्पादक ने जब उसकी फोटो छापी तो उस से इस का पता लगा । इस से स्पष्ट हो जाता है कि सारी घटनाओं को दबाया जाता है । सारी जगह पुलिस जानबूझ कर जितने असामाजिक तत्व हैं, जितने भी नामी गुन्डे हैं सब को प्रोटेक्शन देती है जिस कारण से दिन दहाड़े डकैती बढ़ती चली जाती है ।

मैं यह भी कहूंगा कि दिल्ली के जितने भी थाने हैं सब में एक वर्ग विशेष के लोगों की अप्वाइंट किया गया है, श्रीमान् भिंडर साहब के जो आदमी हैं उन्हीं लोगों को सब जगह रखा गया है और उन्हीं के चलते सारी जगह ये चीजें हो रही हैं । दिल्ली में अगर सुधार हो जाता तो भिन्डर साहब रखते या कोई भी नियुक्त करता, अपने आदमी लाता, हमको कोई शिकायत नहीं होती । लेकिन दिल्ली में आज पहले की अपेक्षा कई गुना ये क्राइम बढ़ चुके हैं और ऐसी परिस्थिति में सारा दोष पुलिस आयुक्त के ऊपर आता है । यह पुलिस आयुक्त अभी पेरिस जाकर एक महीना रह कर आए हैं । फिर वियना चले गए और वहां रह गए । अभी मास्को जाने का उनका प्रोग्राम है ।

** ** ** **

तो क्या यह दिल्ली नगरवासियों की सुरक्षा और उनकी इज्जत लुटने से बचाने के लिए है ? ये अपने कार्यों में या पोलिटिकल कार्यों में ही लगे रहते हैं । इसलिए ऐसे लोग पुलिस अधिकारी नहीं हो सकते । हो सके तो इन्हें तुरन्त मुअत्तल कर दिया जाय । और इनको कहीं टिकट दे कर एम पी बना दिया जाय, यह अच्छा होगा । इनकी पत्नी भी आ गईं और यह भी आ जायें तो यह कहीं ज्यादा लाभदायक होंगे । कांग्रेस (आई) पार्टी के लिए भी यह अच्छा होगा और इनका भी कल्याण हो जायगा ।

12.43 hrs.

[MR. DEPUTY SPEAKER *in the Chair*]

MR. DEPUTY-SPEAKER: To what are you calling the attention of the Minister? Please come to the subject.

**Expunged as ordered by the Chair.

श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा : मैं ठीक कह रहा हूं । दिल्ली की ला एण्ड आर्डर सिचुएशन इसमें दी हुई है । यह मैं बिलकुल ठीक कह रहा हूं । सबजेक्ट से बाहर नहीं जा रहा हूं ।.... (व्यवधान).....

मैं आप से आग्रह करना चाहूंगा कि जो दिल्ली की स्थिति आज है उसमें कोई भी आराम से न दिन में न रात में सो सकता है । किसी को गारंटी नही है । पुलिस विभाग बिलकुल लापरवाह हो गया है । जितने लोग चोरी करते हैं किसी को पकड़ते नही हैं । घटना घट जाती है, उसके बाद पहुंचते हैं । उनको जब खबर दी जाती है तो आते नही हैं ।

मंत्री महोदय ने बताया कि 2 हजार पुलिस की भर्ती और कर रहे हैं और नये थाने भी बना रहे हैं । इस सब के बावजूद भी घटनाए बढ़ ही रही हैं, लूट, डकैती बढ़ ही रही हैं तो आखिर यह क्यों बढा रहे हैं ? यहां प्रेसीडेंट्स शासन भी चल रहा है, जनता के प्रतिनिधि भी नही हैं । चुनाव भी नहीं हुआ है ।....(व्यवधान)....

मैं आपके द्वारा माननीय मंत्री जी से कुछ डायरेक्ट प्रश्न पूछना चाहता हूं ।

(क) श्री भिण्डर को तुरन्त ट्रान्सफर किया जाए, सोअतल किया जाए ।

(ख) दिल्ली प्रदेश को एक राज्य का दर्जा दिया जाए ताकि वहां के चुने हुए जनप्रतिनिधि अपनी पुलिस व्यवस्था की सारी व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त कर सकें । क्या मंत्री जी यहा पर इसकी घोषणा करेंगे ? साथ ही दिल्ली की जो घनी व्यापारिक मंडियां हैं वहां पर सफेद सशस्त्र पुलिस की व्यवस्था की जाए ।

(ग) सभी थानों का हर दस रोज में अचानक निरीक्षण किया जाए ।

(घ) नागरिकों को हर तरह से सूचना देकर, थाना प्रभारी की लापरवाही, अपराध-कर्मों की सूचना को थाने में दर्ज न करना, नागरिको को डरा-धमका कर भगा देना—इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए एक विशेष अधिकारी की बहाली की जाए तथा सूचना को दर्ज कराने की व्यवस्था की जाए ।

(च) जिस पुलिस अधिकारी के जिले में अधिक घटनाएं घटें उसको कठोर सजा देने की व्यवस्था की जाए ।

क्या मंत्री जी इन सुझावों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं ?

SHRI JANARDHANA POOJARY (Mangalore): Sir, I rise on a point of order. Kindly hear me before the Minister answers. Here, the hon. Member has made a charge against another Member. . .

MR. DEPUTY-SPEAKER: There is no point of order. Please sit down. The Miniser will reply to those points.

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, the hon. Member has made a charge against another Member of this House, and that also against a lady Member. Why are you not hearing it, Sir?

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will go through the proceedings of the House, and if the hon. Member has said anything as you point out, we will definitely expunge it from the proceedings. (*Interruptions*)

SHRI JANARDHANA POOJARY: The hon. Member made a charge against a lady Member. He has gone to the extent of saying that Mr. Bhinder exercised influence to get her a ticket and also helped her win the election. That is the charge. According to Rule 352, a Member, while speaking, shall not make a personal charge against a Member. And Rule 353. . .

AN HON. MEMBER: He has made no personal charge. You can go through the record.

SHRI JANARDHANA POOJARY: He has said that Mr. Bhinder exercised undue influence. That is the charge. Rule 353. . .

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will go through the proceedings, and if there is anything, as you have said, against another hon. Member, we will take care of it.

SHRI BHAGWAT JHA AZAD (Bhagalpur): It is very serious for the hon. Member Mr. Varma to say that Mr. Bhinder went to Gurdaspur to help Mrs. Bhinder. It is a charge

because if it is said and is not contradicted, this itself can set aside the election of the lady Member to this House. This is very serious to say that. This is not fair for a Member to say that. It means that Mrs. Bhinder took the help of a government officer. This is the charge. This is wrong. He has said that a Member of this House took the help of a government official. This is wrong. It must beexpunged from the proceedings. (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I understand it. Hon. Members, I have followed everything. I know it is a serious matter. Appropriate action will be taken.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: Sir, the hon. Member has made many wild allegations against the police and that will not help in controlling the situation. Such wild allegations will only demoralise the police on the contrary. I am in no way in agreement with him when charges are made against our police officers (*Interruptions*). They have done their duty. (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: You have every right to speak. Therefore, the Minister has also got the right to reply. Otherwise, how can I conduct the proceedings?

SHRI YOGENDRA MAKWANA: Sir, I do not agree with him. (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I expect complete silence in the House.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: Sir, the Police has taken many steps. If you want, I can give you instances on how the police has behaved during these six months from January-February 1980 the gangs of criminals arrested were 5; these are the gangs of dacoits, robbers, responsible for about forty cases in Delhi and other States, and property worth more than a lakh of rupees was recovered from them; in March 1980, as a result of intensive police vigilance, 10 gangs (*Interruptions*) I am addressing the Chair. As a result of intensive police vigilance 10 gangs of burglers, dacoits, robbers, murderers, thieves were arrested leading to the recovery of property of the value of Rs. 70,000; in April 1980, as a result of intensive police vigilance, 13 gangs of dacoits, robbers and burglers were arrested and property valued at Rs. 15,09,432 were recovered; in May 1980, as a result of intensive police vigilance, 14 gangs of dacoits, robbers, burglers, thieves, snatchers and auto-lifters involving forty persons were arrested and property worth Rs. 1,89,000 was recovered; in June 1980, as a result of intensive police vigilance, 13 gangs of dacoits, robbers, burglers, auto-lifters, shutter-breakers, thieves and snatchers were arrested and property worth Rs. 2,97,785 was recovered. The arrests of these gangs led to the working out of 148 cases. Not only this. There is a substantial decline in the crime situation during these three months.

So far as heinous crimes are concerned, there is a thirty per cent decline. There is a 11% decline in the general crimes. So far as dacoity is concerned, there is a decline of fifty per cent during these six months. So far as robbery is concerned, it has come to 159. (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is a calling attention. There should be no debate.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: So far as snatching is concerned, there is a 49% decline. These are glaring instances of how our police officers are behaving. It is very undesirable and it is most condemnable to describe the police officers like this and to condemn them in the House and to name them when they are not here to defend themselves. It is most unfortunate that this House is used in criticising the particular officers. I do not agree with the hon. Member. (*Interruptions*).

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Paswan.

SHRI RAM VILAS PASWAN: *rose.*

(Interruptions) **

MR. DEPUTY-SPEAKER: Office, please note. This is a calling attention. No other information, no other speech and no other clarification shall go on record.

Shri Ram Vilas Paswan.

SHRI SHIVKUMAR SINGH THAKUR (Khandwa): I rise on a point of order.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Under what rule?

SHRI SHIVKUMAR SINGH THAKUR: Under 197(2)....

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am not allowing the point of order. I am not permitting you. This is a Calling Attention. You cannot raise an issue.

SHRI SHIVKUMAR SINGH THAKUR: Kindly see Rule 197 (2). It says clearly:

> "There shall be no debate on such statement at the time it is made but each member in whose name the item stands in the list of business may, with the permission of the Speaker, ask a question:"

MR. DEPUTY-SPEAKER: You can ask a question after this is over. The rule says:

> "There shall be no debate on such statement at the time it is made but each member in whose name the item stands in the list of business may, with the permission of the Speaker, ask a question:"

SHRI SHIVKUMAR SINGH THAKUR: Sir, he can ask a question.

MR. DEPUTY-SPEAKER: That is all right. The Minister has replied to that already. I will permit you at the end—not now.

SHRI HARIKESH BAHADUR: In calling Attention a Member asks questions (a), (b), (c) etc. The hon. Member must understand it.

श्री रामविलास पासवान (हाजीपुर) : अध्यक्ष महोदय, मकवाना साहब जब बोल रहे थे, तो ऐसा लग रहा था.....

MR. DEPUTY-SPEAKER: Why should not this House do everything with a smile as Shri Paswan did it now!

श्री रामविलास पासवान : ऐसा लग रहा था जैसे वह पुलिस को सर्टिफिकेट देने का काम कर रहे है । वह कह रहे थे कि क्राइम्ज में इतनी कमी हुई है, इतनी कमी हुई है--इसका मतलब है कि वह पुलिस को इनडायरेक्टली कह रहे थे कि जो क्राइम्ज हो रहे हैं, उन को और बढ़ाना चाहिये । जब क्राइम्ज ज्यादा होंगे, तब सीरियसनेस आयेगी.....(**व्यवधान**).....

आकडे कैसे लिखे जाते हैं—आप को भी मालूम है और हम को भी मालूम है । मेरा सरकार पर यह चार्ज है कि सरकार क्राइम्ज की फिगर्स को कम करने के लिये ऐसी इंस्ट्रक्शन दिये रहती है कि बहुत से मामलो में दर्ज ही न किया जाए..... (**व्यवधान**) ....

SHRI SHIVKUMAR SINGH THAKUR: On a point of order....

(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Paswan, Please see me and see the Minister.

श्री रामविलास पासवान : उपाध्यक्ष महोदय, जब आप हम को नही देखते है तो मैं उधर देख लेता हूं । जब मैं आपको देखता हूं तो आप भी हम को देखिये । .....

श्री शिव कुमार सिंह ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका रूलिंग चाहता हूं—मेरे प्वाइन्ट आफ आर्डर उठाने के बावजूद और आप के रूलिंग देने के बावजूद भी क्या माननीय सदस्य इस पर डिबेट करवाना चाहते हैं ? आप उनको केवल एक प्रश्न पूछने के लिए कहिये ।

**Not recorded.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I told you, you can raise your question in the end. I have said I will allow you in the last, after this is over.

श्री रामविलास पासवान :. उपाध्यक्ष महोदय, मैं सर्वप्रथम मंत्री जी से यह कहूंगा कि वे इस तरह के वक्तव्य न दें जिससे क्राइम्ज घटने के बजाय बढ़ने लग जायें । उनके कहने के अनुसार इस समय कम हैं, लेकिन ऐसा कहने से क्या उनका मतलब है कि और बढ़ें । मैं बड़े दुख के साथ कहना चाहता हूं कि दिल्ली में पूरे हिन्दुस्तान की तरह न ला है और न आर्डर है । जिस कानून और व्यवस्था की हम चर्चा कर रहे हैं— आप जरा आम लोगों से जा कर पूछिये । आचार्य भगवान देव जी आज कल आप बहुत वकालत करते हैं । जरा रोड पर और दूसरी जगहों पर जा कर लोगों से पूछिये, तब आप को सारी स्थिति का ज्ञान हो जायगा ।

उपाध्यक्ष महोदय, आज कल जो हत्यायें, बलात्कार और डकैतियां होती हैं, यदि उनकी प्रतिदिन की एवरेज निकाली जाय तो एक दिन में 15 हो रहे हैं । आप ने कहा है कि दिल्ली में जब से आप की सरकार आई है, क्राइम्ज की संख्या में कमी हुई है, लेकिन वास्तविकता यह है—चाहे निरंकारी बाबा की हत्या का मामला हो, हालांकि उनकी आइडियोलाजी से हम और आप सहमत नहीं हो सकते हैं, लेकिन जो आदमी हमेशा कहता रहा कि उसे डर है, उसकी हत्या होने वाली है, फिर भी आप उस को बचा नहीं सके, उसकी हत्या हो गई । आप ने जाल डलवाये और न जाने क्या-क्या किया, फिर भी हत्यारे का पता नहीं चला । आपके यहां गौतम सिंहानिया की हत्या हुई, उसके हत्यारे को भी आज तक नहीं पकड़ा गया । एम० पीज के घरों पर डकैती होती है....(व्यवधान)....मैं कहता हूं, उपाध्यक्ष महोदय.....

MR. DEPUTY-SPEAKER: The Minister will reply.

(Interruptions)

SHRI CHANDRAJIT YADAV (Azamgarh): The hon. Member is not to regulate the House. You are regulating the House. He is disturbing all the time. He is a new member. He should be told. Please call him to your chamber..

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have told him that I will allow him. He can put the question in the end.

SHRI SHIVKUMAR SINGH THAKUR: Sir, he is narrating all the facts. He should simply ask a question.

13 hrs.

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is not for you to judge that. It is for me to judge....

श्री रामविलास पासवान : तो मैं कह रहा था, उपाध्यक्ष महोदय, कि दिल्ली में एम० पी० के घर में डकैती हो रही है और पुलिस आयुक्त के घर से वायरलैस सेट ले कर चोर भाग गया । ....(**व्यवधान**)... चौकीदार की हत्या हुई । महिला की हत्या होती है, महिलाओं के साथ रेप किया जाता है, पंजाब नेशनल बैंक जो है वहां 18 घंटे तक डकैत हथौड़े मार कर तोड़ते रहे और पुलिस को पता नहीं रहा 18 घंटे तक । ऐसी बातें यहां हो रही है ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: You put your question.

SHRI RAMVILAS PASWAN: The main issue is regarding law and order situation.

आप बीच में बोल कर हमारी प्रवाह को तोड़ देते हैं ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: You pinpoint the law and order situation.

श्री राम विलास पासवान : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि यहां दिल्ली में जितने भी थाने हैं, उन सब का अलग अलग रेट बंधा हुआ है । थानों की नीलामी होती है । एक एक थाने को दो, ढाई लाख रुपये ले ले कर दिया जाता है और वहां पर दो ही तरके के लोग जा सकते हैं । एक तो वह तबका है जिसकी पहुंच मंत्री जी तक होती है और यह चीज आजकल बहुत चलने लगी है ।.....(**व्यवधान**).....हम लोगों ने बन्द कर दी थी । 28 साल तक यह चीज चलती रही और बीच में हम ने बन्द कर दी लेकिन अब फिर चलना शुरू हो गई है । हम को मंत्री जी बताएं.....

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Paswan, to day's Calling Attention is regarding the deteriorating law and order situation in Delhi, the recent incident being a daylight robbery in 'Khari Baoli' Delhi on 9th July, 1980..... But you have not mentioned about this in your speech.

श्री रामविलास पासवान : दिल्ली की ला एण्ड आर्डर की व्यवस्था के बारे में यह है और हम उसी ला एण्ड आर्डर पर बोल रहे हैं ।... (व्यवधान)....मैं आप को बताना चाहता हूं कि दिल्ली में थानों की नीलामी होती है और रेट बंधा हुआ है अलग अलग थाने का और यह चीज भी होती है कि कौन एस0एच0ओ0 बनेगा और कौन एस0 पी0 बनेगा । यहां पर ट्रेजरी बेंचेज के लोग बहुत हल्ला कर रहे है । इनको शायद जानकारी नहीं होगी कि यहा जनवरी के महीने के बाद से जितना अफसरों में डीमोरेलाइजेशन आया है, उतना पहले कभी नही आया था । आप लोग पैरवी करते हैं और नालायक लोग एच0एस0ओ0 बन जाते हैं, आप पैरवी करते हैं और नालायक लोग एम०पी बन जाते हैं । लोगों को सुपरसीड कर रहे हैं और अब यह एक नया फारमुला चला है कि सुपरसीड कर के एक आदमी को बैठा दिया । जब इस तरह की बातें होंगी, तो कानून व व्यवस्था की स्थिति में कोई सुधार नही हो सकता है ।

मैं मंत्री जी की बात बहुत गौर से सुन रहा था । आंकड़े देकर गलत स्थिति की जानकारी न दें और बरगलाने की कोशिश न करें । जो स्थिति है उस को छिपाने की कोशिश न करें । आज हत्याएं हो रही हैं । दो किस्म से आदमी मरता है । एक तो अपनी मौत आदमी मरता है और एक आदमी को मार दिया जाता है, दोनों में अन्तर है । जिस तरह से पिछले 5 महीनों के अन्दर हत्याएं हो रही हैं, बलात्कार हो रहे है, और डकैतियां पड़ रही हैं, उनसे आम आदमी, जन-मानस असुरक्षित है, एम0 पीज असुरक्षित है, तमाम तबके के लोग असुरक्षित है । महिलाएं जिन के सम्बन्ध में कहा जाता था कि घर के बाहर असुरक्षित हैं, आज स्थिति यह हो गई है कि हमारी मां-बहनें अपने घरों में भी सुरक्षित नही हैं । दिन-दहाड़े डकैतियों के कांड होते हैं । तो दिल्ली के सम्बन्ध में मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि आज यहां पर चार चीजें हैं : एक दिल्ली कारपोरेशन है, एक एन0 डी0 एम0 सी0 है, एक लेफ्टीनेंट गवर्नर है और एक मेट्रोपोलीटन कौंसिल है, ये चारों जो हैं क्या इनमें कहीं कार्डीनेशन है ? मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि इन चारों में क्या आप कार्डीनेशन करायेंगे और दिल्ली की ला एण्ड आर्डर की व्यवस्था को ठीक करने के लिए इन चारों की एक समन्वय समिति बनाएंगे ? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या यह बात सही है कि आप बहुत सारे अफसरों को सुपरसीड कर रहे हैं और दूसरे अफसरों को ऊंचे-ऊंचे पदों पर बैठा रहे हैं जिससे अफसरों में डीमारेलाइजेशन हो रहा है और तीसरी बात यह जानना चाहता हूं कि क्या यह आपकी जानकारी में है कि दिल्ली में हर थाने के अलग अलग रेट बंधे हुए हैं ? वहां जो अफसर नियुक्त होते हैं वे थाने की नीलामी करके नियुक्त होते हैं जो ज्यादा नीलामी लगाता है वह नियुक्त होता है ।

SHRI YOGENDRA MAKWANA: Sir, I refute the charge that the hon. has made that crimes are not being registered. It is not a fact, the crimes are registered. I quoted the figures but that does not mean that we are not serious about this matter; that was just to indicate a comparison of the incidents of crimes during the previous Government and the present Government. When the hon. Members are charging that the situation has been deteriorating. I must quote figures to refute that, otherwise I cannot convince them. But as I said, that does not mean that we are not serious about this; we are very serious in this matter. But at the same time, we should understand that to criticise the police in this House day in and day out and make accusation against them will never help. We should also appreciate sometimes the services of the police personnel, where the appreciation is due.

I have already enumerated the measures that we have taken and I do not want to repeat them. The hon. Member has made some suggestions and I have taken note thereof.

श्री रामविलास पासवान : थानों की नीलामी जो होती है.....

SHRI YOGENDRA MAKWANA: As I said, I have taken note of your suggestions. But as I said, it is not good to criticise the police always; we should appreciate their services sometimes also.

MR. DEPUTY-SPEAKER: But there can be healthy criticism always.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: Yes, Sir.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष जी, मैं प्रारम्भ में ही यह निवेदन करना चाहता हूं कि लक्ष्मण रेखा नहीं खींची जानी चाहिए ।

उपाध्यक्ष जी, यह सरकार के लिए लज्जा की बात है कि खारीबावली में ऐसी शर्मनाक और गम्भीर घटना केन्द्रीय सरकार की नाक के नीचे घट जाए । उपाध्यक्ष जी, जब यह सरकार बनी थी तो इन्होंने दावा किया था, और अभी भी दावा कर रहे हैं कि दिल्ली की कानून और व्यवस्था में परिवर्तन आयेगा । इसके लिए जो भी इनके मन में आ रहा है वे आंकड़े पेश किये जा रहे हैं । यह कहा गया था कि जो वर्तमान पुलिस कमिश्नर हैं वे जब आयेंगे तब दिल्ली स्वर्ग की सीढ़ी पर पहुच जाएगी । (व्यवधान) अगर स्वर्ग की सीढ़ी पर नहीं कहा था तो इतना तो जरूर कहा था कि दिल्ली में आमूल परिवर्तन अवश्य आयेगा ।

उपाध्यक्ष जी, रोज सवेरे अखबार पढ़िये तो सबसे पहले हमारी आंखों को इस तरह की घटनाएं पढ़ने को मिलती हैं । कहीं महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं, कही बदअमनी हो रही है, कहीं हत्याएं हो रही हैं कही चोरियां हो रही हैं। तरह तरह के समाज विरोधी काम होते रहने का समाचार पढ़ने को मिलते हैं । ऐसी हालत हम रोज पाते हैं । क्या यही है इस सरकार की और वर्तमान पुलिस कमिश्नर की कामयाबी ? मैं तो इसे कानयाबी नहीं मानता बल्कि असफलता मानता हूं और यही वजह है कि निश्चित रूप से यहां के पुलिस कमिश्नर को हट जाना चाहिए । ऐसे पुलिस कमिश्नर से ला एण्ड आर्डर की प्राब्लम हल नहीं होगी । हो सकता है कि आपको राजनीतिक मतलब सिद्ध होता हो जिसके लिए उनको लाया गया है ।

इस बयान में कहा गया कि खारीबावली में आदमी जो आठ बिचारे कर्मचारी थे उनके हाथ पांव बांध दिये गये । उनकी आंखों पर पट्टी बांध दी फिर भी ये कहते हैं कि कोई हिसक घटना नहीं हुई । गांधी जी का क्या कहना था ?- उनका कहना था कि कोई कटु बात भी बोले तो वह भी हिंसा है । यहां तो हाथ पांव बांध दिए गए थे आंखों पर पटटी बांध दी गई थी । तब आप इसको हिंसक घटना क्यों नहीं मानते हैं ? मेरा कहने का मतलब यह है कि आप इस घटना को बहुत कम करके आंक रहे हैं । आपने सुन ही लिया है कि दस हजार से कई गुना ज्यादा की डकैती पड़ी है और रोज डकैतियां बढ़ती जा रही हैं । अगर आप समझते हैं कि कम हो रही हैं तो मेरी एक बात का जवाब आप जरूर दें । आप कहते हैं कि कम हो रही हैं और हम कहते हैं कि बढ़ रही हैं । ऐसी अवस्था में क्या सरकार दिल्ली में जो अमन कानून की स्थिति है उसको ले कर इन बातों की जांच करने के लिए पार्लियामेंट के सभी दलों की कोई कमेटी बिठाएगी ? वहां पर दूध का दूध और पानी का पानी अलग हो जाएगा । अगर आपकी बात गलत मालूम हुई तो हम लोगों की बात साबित हो जाएगी और हमारी बात गलत हुई तो आपकी बात साबित हो जाएगी । अगर आप ईमानदार हैं और चाहते हैं कि इस तरह की घटनाएं रुकें तो ऐसा करने में आपको कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए । यह सबसे बड़ा मेरा सवाल है । अगर आप इससे इन्कार करते हैं तो मैं समझूंगा कि आप अमन कानून की व्यवस्था लागू करना नहीं चाहते हैं ।

क्या दिल्ली के प्रमुख केन्द्रों में जिन में व्यापारिक केन्द्र और गैर-व्यापारिक केन्द्र भी शामिल है, सरकार पुलिस दस्तों की विशेष व्यवस्था करेगी--

एक माननीय सदस्य : कर रही है ।

श्री रामावतार शास्त्री : नही कर रही है । अगर करती तो खारीबावली जैसे प्रमुख केन्द्र में इस तरह की घटना न घटती । सरकार पुलिस भेजती है और विदड्रा कर लेती है । मैं यह भी जानना चाहता हूं कि आपका गुप्तचर विभाग क्या कर रहा है ? आपको इस घटना की बहुत देर से खबर मिली । आपने इसमें लिखा है कि दो बज कर चालीस मिनट पर पुलिस को खबर मिली । घटना हुई बारह बज कर चालीस मिनट पर । एक घंटा पच्चीस मिनट तक लुटेरे लूटते रहे । खारीबावली शहर का एक प्रमुख केन्द्र है । पुलिस के अलावा गुप्तचर विभाग के लोग भी वहां घूमते रहते होंगे । वे क्या कर रहे थे, क्या मक्खी मार रहे थे या पुलिस कमिश्नर के घर में जा कर उनकी सेवा कर रहे थे ? इसका जवाब भी आपको देना चाहिये ।

एक और बुनियादी सवाल मैं उठाना चाहता हूं । डकैतो को सरकार पकड़ नहीं सकती, बलात्कारियों को सरकार पकड़ नही सकती लेकिन मेरे जैसे आदमी के खिलाफ अगर वारेंट निकल जाए तो मिनटों में उसको पकड़ कर ले जाएगी, और मजदूर हड़ताल करेंगे, किसान अपनी लड़ाई लड़ेंगे, नागरिक अपनी मांगों के लिए लड़ेंगे तो पुलिस उन पर डंडे बरसाएगी, उनको जेलखानों में डाल देगी, बागपत जैसे कांड करेगी, गोली चलाएगी। वह ऐसा कर सकती है लेकिन बलात्कारियों को या डकैतों को जो शहर के मुख्य केन्द्र में डेढ़ घंटे तक डकैती डालते रहे हैं उनको वह न पकड़ सके, यह पुलिस के लिए लज्जा की बात है और आपकी सरकार के लिए तो और भी ज्यादा लज्जा की बात है । इसलिए पुलिस का जो दायित्व होना चाहिये या है, क्या उस दायित्व को पूरा करने के लिए वर्तमान पुलिस व्यवस्था में आप कोई आमूल परिवर्तन करना चाहते हैं या नहीं ?

•

खारीबावली में जिनका सामान लूटा गया, क्या उन लोगों की मदद करने का कोई इरादा आपका है या नहीं ?

समाज विरोधी तत्वों की मदद दूसरे लोग करते हैं, लेकिन इस तरह की घटनाओं में शासक दल के लोग भी समाज-विरोधी तत्वो की पैरवी करते हैं । इस पर कम्पलीट पाबन्दी आप लगाना चाहते है या नही ?

टेलीफोन व्यवस्था--

"Telephones found dead at Police Headquarters."

अगर पुलिस हैडक्वार्टर में फोन ठीक नही रहेगा, मेरे घर में डकैती होती है तो हम कैसे उसकी खबर दे सकते है ?

"Most of the telephones at the Police Headquarters in Indraprastha Estate have been dead since last evening—harassed senior officers."

MR. DEPUTY-SPEAKER: Calling Attention is not on telephone.

श्री राजावतार शास्त्री : मेरा कहना यह है कि वह व्यवस्था ठीक रहनी चाहिये । क्या आप कम्यूनिकेशन्ज मिनिस्ट्री से बात करके तमाम पुलिस थानों के टेलीफोनों को इन-आर्डर रखने के लिये कोई प्रयास करेंगे या नही ?

SHRI BHAGWAT JHA AZAD: Telephones are not under the charge of the Police.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: In my statement I have said that it is regrettable that incidents of this type do occur sometimes. We never encourage these incidents, but, at the same time, without figures I cannot prove it. He has suggested that some remedial measures should be taken. "A scheme for modernisation of the Control Room and improvement in the Communication System of Delhi Police at a cost of Rs. 50 lakhs has been sanctioned. Sanction for construction of building for Police Stations and Police personnel involving expenditure of Rs. 45 lakhs has been issued. A finger print Bureau for Delhi Police at a cost of Rs. 70,000 has been sanctioned. Sanction has also been issued for creation of one post of AGP, Gandhi Nagar. Three posts of Inspectors, Head Sub-Inspectors and twelve Sub-Inspectors and Twelve Assistant Sub-Inspectors have been sanctioned for the clerical staff of Delhi Police."

There are many steps which we have taken over and above those preventive steps which I have described previously. We are very careful about it; we are doing many things just to improve the situation. He said that the incident occurred at 12.40 p.m. and the Police took note of that at 2 p.m. It was day. This happened during day time. Many people may be passing that way. It is not only that police in plain clothes go there, any member of the public could have informed the police, but it was not informed, because there was nobody on the spot. Therefore, it took time because all the people in the shop were tied with the ropes; how can they go out?

श्री मनी राम बागड़ी (हिसार) : उपाध्यक्ष महोदय, असल में डकैतिया और कत्ल वगैरह जुर्म घटे हैं या बढ़े है और किसकी सरकार में बढ़े है और किसकी सरकार में घटे हैं, यह सवाल नही है । वैसे इस विषय पर बहस की जा सकती है । देश में चार बड़े कत्ल हुए हैं : महात्मा गांधी, समार के सबसे बड़े आदमी, एल० एन० मिश्र, सरकार के सबसे बड़े मंत्री, दीनदयाल उपाध्याय, राजनैतिक नेता और बाबा गुरबचन सिंह, धार्मिक आदमी, और ये चारों ही कांग्रेस के राज में कत्ल किये गये है । महात्मा गाधी अहिसा के पुजारी थे, वह दिल्ली में शहीद किये गये । उस वक्त पंडित नेहरू थे, जनता जाग्रत थी और मौके पर ही मुलजिम पकड़ लिये गये । लेकिन बाकी के तीनों कत्लों में असली मुल्जिम पकड़े गये या नही, इस बारे में देश की जनता में संशय बना हुआ है ।

मैं निवेदन करना चाहता हूं कि कुछ आंकड़े देकर यह साबित करने का कोई फायदा नहीं है कि डकैतियां कम हो गई हैं । हमें इन घटनाओं के कारण तलाश करने चाहिए । मैं वहा मौके पर गया था । वहा इतनी ज्यादा गुंजान आबादी है कि कंधे से कंधा टकराता है । मैं पुलिस की निन्दा नही करना चाहता हूं । देश में यह जो रोग है, इसका इलाज करने के बारे में ठीक तरह से सोचना पड़ेगा । मैं जनता सरकार या कांग्रेस सरकार का मुकाबला भी नही करना चाहता हूं ।

पुलिस तो एक हथियार है, जिससे जुर्म खत्म किये जा सकते है । और पुलिस का मतलब है सिपाही । आज उन लोगों की तनख्वाह बढ़ी और

रहने के मकान वगैरह की क्या हालत है ? जहां तक लाहोरी गेट थाने का संबंध है, वहा पर 83 लोग हैं, जिनके लिए वहां पर खड़े होने की भी जगह नही है । चौबीस घटे उनकी ड्यूटी रहती है । उनके बच्चे उनके पास नही हैं वे अपने परिवार के साथ नही रह सकते है राजा हरिश्चन्द्र से लेकर आज तक जो शासन पसे, गुंडे और पुलिस के इशारे पर चला, वह जनता की सेवा नही कर सका । हमारा तरीका बन गया है कि हुक्म से डरो ज्यादा, जुर्म से डरो कम । इस हालत में जुर्म कैसे मिटेंगे ?

मै भिडर साहब की निन्दा नही करता हूं । जो लोग पकड़े गये थे मैं उनकी निन्दा नही करता हूं । वह बेचारे जल में भी रहे हैं । जिस आदमी ने जेल काटी है, उससे मुझे नफ़रत नही हो सकती है । लेकिन अच्छा होता कि उस आदमी को कोई और अच्छी जगह दे दी जाती । जिस बड़ अफ़सर को जेल की सलाखो के पीछे रखा गया, जिसे थानेदार के सामने हथकड़ी लगाई गई, वह पुलिस से अमन-चैन की व्यवस्था नही करा सकता है । (**व्यवधान**) . . . .

श्री राम प्यारे पनिका (रावर्टसंज) : यदि वह निर्दोष सिद्ध हो गया है, तो उसको सजा देने की बात क्यों करते हैं ?

श्री मनीराम बागड़ी : मै सज़ा देने की बात नही कहता हूं । मै सज़ा के कतई खिलाफ हू । जब आप लोग पिटते थे, तो मै अपने लोगो से कहता था कि मत पीटो, कल तुम्हे भी पिटना पडेगा । आपको भी मै कहता हू कि मत पीटो परसों आपको पिटना पडगा । (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Why are there these interruptions? It is because you travel away from the subject. If Mr. Bagri sticks to the subject, no interruptions will come and only the Minister will reply. He is himself responsible for this interruption. Now, please put your question, Mr. Bagri.

श्री मनी राम बागड़ी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं हमेशा कमज़ोर आदमी का साथ देता हूं, शक्ति शाली का नही । मै खुद एक कमजोर आदमी हूं जब हमारा शासन था, तब भी में कमजोर था और इधर तो मेरी कोई ताकत ही नहीं है माननीय सदस्यों को मेरे जैसे गरीब आदमी पर दया करनी चाहिए । (**व्यवधान**) आपके माध्यम से मै ज्ञानी जी से अर्ज करूंगा कि देखिए, जहां अमन चैन व्यवस्था की बात है, एक यह कायदा होता है कि जिस बड़े आदमी को एक दफ़ा बेइज्जत कर दिया जाय और वह सरकार कर्मचारी हो, तो उसको उसी जगह पर न रखा जाय । आखिर यह कायदा होता है कि एक थाने के आदमी को एक दफा मुअत्तल कर दिया तो उसको दोबारा वहा नही रखते क्योंकि प्रस्टिज नही रहती है मै भिन्डर साहब की निजी तौर पर बुराई करने के लिए तैयार नही हूं । आखिर वह इस समाज के एक अंग हैं । लेकिन इस तरीके को बदलना होगा और इस तरीके को भी बदलना होगा कि जो आज पचास या सौ मील के आदमियों को, दिल्ली के आस पास के लोगों को पुलिस फोर्स में नही भर्ती किया जा रहा है । इसका एक कारण था कि हमने दिल्ली में पुलिस का एक आन्दोलन चलाया था वर्दी के वास्ते, सहूलियत के वास्ते और आठ घटे की ड्यूटी के वास्ते कि आदमी आदमी है, कोई घोड़ा या गधा नही है । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री एम० सत्यनारायण राव (करीम नगर) : आपने यह बताया कि भिन्डर साहब चूंकि जेल मैं गए इसलिए उनको यहां पुलिस का अफसर कैसे रखेंगे ? अगर यही प्रिंसिपल रखें तो फ्रीडम स्ट्रगल मे जितने भी बडे नेता थे वे भी जेल गए थे लेकिन वह प्रधान मंत्री बने । जैसे कि हमारी नेता इंदिरा गांधी जी को आपने जेल में रखा । अगर आपका प्रिंसिपल अप्लाई करें तो वह प्रधान मंत्री कैसे बन सकती हैं ? यह कहां का प्रिंसिपल है ?

श्री मनीराम बागड़ी : यह बात सही है इनकी नेता तभी नेता होते हैं जब जेल काटते हैं। समझ लें जरा बात को, नेता गांधी सबसे बडे नेता थे, सबसे ज्यादा जेल काटी, खा अब्दुल गफ्फार खां सबसे बड़ नेता हैं, जो जेल काटते है । लेकिन सरकारी नौकर जेल काटने वाला उसी थाने में रखा जायगा तो काम नही चलेगा । लेकिन मेरी उनसे कोई नाराजगी नही है । मैं भिन्दर साहब को बुरा नही कहता हुं । मैंने एक उसूल की बात कही है कि जो आदमी जहां पर होता है, सरकारी कर्मचारी अगर वह है और बाद में फिर वही रखा जाता है तो उसकी प्रस्टिज नही रहती है वहां पर जहां कि उसको बेइज्जत किया जाय । चाहे मैंने ही किया है, चाहे मैंने नही उनको मुअत्तल करवाया, मैंने ही उनको जल भिजवाया, चाहे दोष मेरा ही क्यों न हो, लेकिन जिस आदमी को इतने बड पैमाने पर ला ऐंड आर्डर को कायम रखना हो उसको चाहे दूसरी इससे अच्छी जगह पर भेजिए, मैं नहीं कहता कि बुरी जगह पर भेजिए, लेकिन ऐसी जगह भेजिए जहां वह ठीक तरह से काम कर सकें ।

अब मै सवाल करूंगा ज्ञानी जी से । दिल्ली तमाम दुनिया की आंख है, सब लोग यहां पर आते है। यह कनाट प्लेस है, यहां पर लड़कियां अकेली जाया करती थीं, औरतें फिरती थीं लेकिन आज कोई आदमी, मेरे ख्याल में बड़े से बड़ा अफसर और

बड़े से बड़ा आदमी जो है उसको यह पता लग जाय कि उसकी अपनी लड़की वहां बाजार गई है तो पीछे पीछे जायगा कि कहीं कोई न कोई बारदात उसके साथ न हो जाय । मैं एक दो खुशी की बात भी कहता हूं कि वहां जिन आदमियों को लूटा गया है उनमें एक महिला भी थी । मैं सच्ची बात कहने से गुरेज नही करूंगा । वह डकैत भी शायद उन सरकारी नौकरों से ज्यादा शरीफ थे, उन्होंने उस लड़की की घड़ी नहीं छीनी, उसकी जंजीर नही छीनी, उसको कुछ कहा नहीं । शायद इस सरकार के अफसर और नौकर अगर इस तरीके के होते तो वहां बलात्कार न होता । मौके पर जाके जांच कर के आते । तो मैं जानना चाहूंगा कि क्या सरकार उस मशीन को जिस मशीन के द्वारा अमन चेन व्यवस्था वह रखना चाहती है उसको ठीक करेगी और जो दिल्ली के आस पास के सौ मील के रकबे के लोग इस इलाके से वाकिफ हैं, जिनकी पुलिस में भर्ती बन्द है, उन पर से पाबन्दी हटाएगी ? उन लोगों को पुलिस में भर्ती करेगी ? ये थाने आपके चिड़ियाघर बने हुए है, आपकी एक एक बैरक में पचास पचास आदमी रहते हैं। तीन तीन साल तक सिपाही हवलदार और सब-इंसपेक्टर अपने परिवार के बच्चों का मुह नही देख सकते । . . (**व्यवधान**) . . .

मैं ज्ञानी जी से चाहूंगा किसी सरकारी कर्मचारी को अपने हित के लिए निशाने पर आप मत लगाओ, मै इस बात को अच्छा नही समझता हूं । इस सदन का कोई सदस्य किसी सरकारी कामचारी का भाई, पति या पत्नी है तो यह कोई दोष नही है लेकिन भिण्डर साहब को आप कही अच्छी जगह पर लगाइये और यहां पर किसी अच्छे आदमी को रखिए । मैं यह नही कहता कि भिण्डर साहब में कोई दोष है, दोष तो हालात ने पैदा किए है । इस घटना की जाच के लिए एक भी ड्यूटी पर नहीं था, डाका पड़ने के बाद में खुद गया हू लेकिन वहां पर कोई पुलिस नही थी । जब सिर्फ 83 आदमी होंगे तो आप उनको कहां कहा लगायेंगे ? इसलिए आंकड़ों के दलदल में न फसकर आप इस पुलिस संगठन को सुधारने की कोशिश कीजिए । बहुत अच्छा हुआ कि गन्दी बस्तियों के बारे में भी अब चर्चा चल पड़ी है वरना उनकी तरफ किसी का ध्यान ही नहीं है । मै चाहूंगा कि ज्ञानी जी जवाब दें और इस पर सोचें । सोचना यही है कि उनकी तनख्वाहों में बढ़ोत्तरी की जाए और सौ मील के रकबे के अन्दर के लोगों की भर्ती की जाए तथा पुलिस वालो के खिलाफ एजिटेशन के दिनों के मोअत्तली और बरखास्तगी के जो हुकुम हैं उनको वापिस लिया जाए ।

SHRI YOGENDRA MAKWANA: I agree with the hon. member when he says that some more facilities should be given to the police. . .

श्री मनी राम बागड़ी : आज ज्ञानी जी मारी तुड़ा गए । दिल्ली के बारे में मकवाना जी को क्या पता है, ज्ञानी जी आप उठिये ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: For you alone if the hon. Home Minister gets up and replies, the other members who have raised the calling attention motion will mistake it. That is why the Minister is not getting up.

श्री मनी राम बागड़ी : यह क्या बात हुई ? ज्ञानी जी ने सारा किस्सा सुना है इसलिए ज्ञानी जी को जवाब देना चाहिए । दिल्ली में इतनी बड़ी घटना घटी है और घर मंत्री सदन में हैं, अगर वे जवाब नहीं देते हैं तो अपनी तरफ से कोताही करेंगे । उठिये ज्ञानी जी ।

गृह मंत्री (श्री जैल सिंह) : सभापति जी, इस कालिंग अटेन्शन मीशन को हमारे राज्य मंत्री जी डील कर रहे थे, वही सुन रहे थे और नोट कर रहे थे मैं, भी इत्तफाक से यहां मौजूद हूं । मुझे बोलने में कोई दिक्कत भी नहीं है, हम अपने मुंह में जबान भी रखते है और बागड़ी साहब की बातों को सुनकर अच्छा लुत्फ भी आता है लेकिन बागड़ी साहब कभी कभी बोलने से पहले सोचते हैं और जब बोलते है तब सोचते नही हैं । वे कुछ बातें ऐसी कहते हैं जो बिल्कुल रेलीवेन्ट नही है रेप्लाई तो मकवाना साहब ही करेंगे । चूंकि मैं बागड़ी साहब का बहुत अदब करता हूं, वे हमारे दोस्त है, बेशक हमको बुरा भला कहें मैं तो बुरा भला नही कहूंगा । हमारे आनरेबल मैम्बर ने कहा था कि कड़ुवा शब्द कहना भी हिंसा है इसलिय हम तो कड़ुआ शब्द कहते नही । मगर डिप्टी स्पीकर साहब, अगर आनरेबल मेम्बर यह फैसला करना शुरू कर दें कि फला अफसर की बदली कर दो फलां आफिसर को वहां रहने दो, तो फिर सरकार की कोई जरूरत नही रह जाती है । इसलिए वह बिल्कुल अपने अख्तियारों और ख्यालो से आगे बढ़ गए है, अब मैं उन को क्या जवाब दूं । मेरा इतना ही जवाब है कि बागड़ी साहब, मैं ने आप की बाते सुनी, आप बड़ा अच्छा बोलते है । कुछ बातें हैं, जिन पर हम गौर करेंगे और कुछ बाते है जो इरलिवेंट है ।

13.35 hrs.

ELECTION TO COMMITTEE

TOBACCO BOARD

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE